University in News on 01 May 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लखनऊ विवि : पहले दिन 22 हजार विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

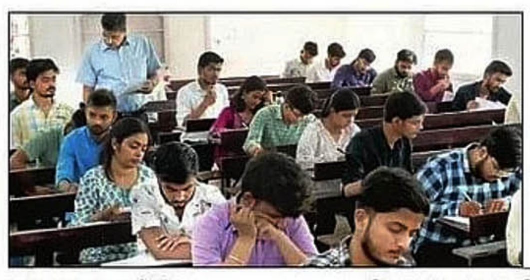

लखनऊ विश्वविद्यालय की परीक्षाओं के पहले दिन कुलपति प्रो. आलोक राय ने मंगलवार को परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार से सम सेमेस्टर परीक्षाओं की शुरुआत हो गई। विश्वविद्यालय में पहली बार हुई तीन अलग-अलग पालियों में 22,989 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। 378 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। कोई भी विद्यार्थी परीक्षा के दौरान अनुचित सामग्री के साथ नहीं पकड़ा गया।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सभी जिलों में शुचितापूर्ण परीक्षा कराने और कड़ी निगरानी के लिए कुलपति ने परीक्षा भवन में कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया। यहां 31 कंप्यूटरों से 24 घंटे परीक्षा केंद्रों की निगरानी होगी। अधिकारी किसी भी वक्त परीक्षा केंद्रों को देख सकेंगे। इसके अलावा कुलपति ने वाणिज्य संकाय की प्रो. मधुरिमा लाल की संगृहीत किताबों के संकलन का फीता काटकर उद्घाटन किया। यह किताबें विभाग के विद्यार्थी निशुल्क पढ़ सकेंगे। उन्होंने बताया कि प्रो. लाल अभी तक एक लाख रुपये की 200 पुस्तकें दान कर चुकी हैं।

तीन पालियों में हुई परीक्षा, कुलपति ने कंट्रोल रूम का किया उद्घाटन

परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे कुलपति

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों से परीक्षा के बारे में जानकारी करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस मौके पर परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व विभागाध्यक्ष के निधन पर शोक

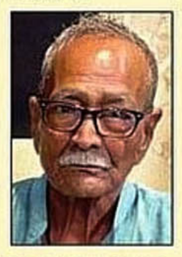

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष रहे प्रो. सैयद जहीर हसन आबिदी का सोमवार रात निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे और छत्तीसगढ़ में अपनी बेटी-दामाद के साथ रहते थे। वहीं पर मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार भी किया गया। उनके निधन पर अंग्रेजी विभाग में श्रद्धांजलि सभा हुई जिसमें विभाग के शिक्षक प्रो. आरपी सिंह ने बताया कि प्रो. आबिदी ने उत्तर भारत में अंग्रेजी भाषा साहित्य को जन-जन तक पहुंचाने के लिए बड़ा काम किया। उन्होंने अपने कार्यकाल में कुल 39 विद्यार्थियों को पीएचडी करवाई जबकि कई किताबें भी लिखीं। उन्होंने अपनी पीएचडी भी लविवि से ही पूरी की। वे लविवि से 2012 में सेवानिवृत्त हुए। 2007 लेकर 2009 तक वह अंग्रेजी विभाग के हेड रहे। कुलपति प्रो. आलोक राय समेत सभी शिक्षकों ने उनके निधन पर दुख जताया। (संवाद)

NBT PAGE 4

263 परीक्षा केंद्रों की वेबकास्टिंग और मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ से निगरानी

वीसी ने किया उद्घाटन
अब तक साइबर लाइब्रेरी से होती थी मॉनिटरिंग

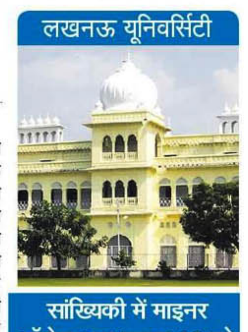

लखनऊ यूनिवर्सिटी

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ
एलयू में परीक्षा विभाग के द्वितीय तल पर मंगलवार को वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने वेब कास्टिंग एवं मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि पहले दिन से ही वेब कास्टिंग एवं मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ से ही एलयू व संबद्ध कॉलेजों के 263 परीक्षा केंद्रों की निगरानी की गई। अभी तक परीक्षा केंद्रों की मॉनिटरिंग एलयू की साइबर लाइब्रेरी से की जाती थी। पर वहां स्टूडेंट्स की मौजूदगी से थोड़ी दिक्कत होती थी। इस दौरान परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, प्रतिकुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी, डीएसडब्ल्यू प्रो. संगीता साहू, मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर, लूटा अध्यक्ष प्रो. आरबी सिंह और महामंत्री डॉ. अनित्य गौरव उपस्थित रहे।

सांख्यिकी में माइनर प्रॉजेक्ट का वायवा 22 को

एलयू के सांख्यिकी विभाग में बीए या बीएससी छठे सेमेस्टर विद्यार्थियों के माइनर प्रॉजेक्ट की मौखिक परीक्षाएं 22 मई को होगी। स्टूडेंट्स को सुबह 10 बजे सेंटर पहुंचना होगा। इस संबंध में विभागाध्यक्ष प्रो. मसूद एच. सिद्दीकी ने आदेश जारी कर दिए हैं।

378 स्टूडेंट्स ने छोड़ी परीक्षाएं

एलयू में बीए, बीएससी, बीकॉम और बीएससी होम साइंस की परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो गईं। पहली बार तीन पालियों में आयोजित हो रही परीक्षाओं में प्रथम पाली में 18463, दूसरी 2283 और तीसरी पाली में 4526 विद्यार्थी उपस्थिति रहे। कुल 22989 परीक्षार्थी उपस्थिति रहे। जबकि तीनों पालियों में कुल 378 स्टूडेंट्स ने परीक्षा छोड़ी। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रॉक्टोरियल बोर्ड के साथ परीक्षा कक्षों का निरीक्षण किया और परीक्षार्थियों से बातचीत की।

एलएलबी परीक्षा के लिए बने 30 केंद्र

एलयू में सम सेमेस्टर परीक्षा-2024 के तहत एलएलबी तीन वर्षीय और इंटीग्रेटेड के लिए परीक्षा केंद्रों की सूची मंगलवार को जारी कर दी गई है। परीक्षा केंद्रों की विस्तृत सूची विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि एलयू से जुड़े पांच जिलों के 41 कॉलेजों में एलएलबी तीन वर्षीय और एलएलबी इंटीग्रेटेड कार्यक्रम संचालित है। जिसके लिए 30 परीक्षा केंद्र और 11 नोडल सेंटर बनाए गए हैं।

प्रो. मधुरिमा लाल ने दान कीं किताबें

■ एनबीटी सं, लखनऊः एलयू के वाणिज्य संकाय की प्रो. मधुरिमा लाल ने अपनी एक लाख रुपये कीमत की 200 किताबें दान की हैं। किताबें एलयू के वाणिज्य विभाग के पुस्तकालय में रखवाई गई हैं। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने मंगलवार को विभाग के पुस्तकालय पहुंच कर किताबों को देखा। उन्होंने प्रो.मधुरिमा लाल के इस कदम की सराहना की। एचओडी प्रो. राम मिलन ने कहा कि पुस्तकों का जितना अधिक संकलन होगा, उतना ही छात्रों का बहुमुखी और बौद्धिक विकास संभव होगा।

तीन दिवसीय शिविर में दिखेंगी प्राचीन लोक कलाएं

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू के वास्तुकला एवं योजना संकाय में गुरुवार से तीन दिवसीय अखिल भारतीय लोक व जनजातीय कला शिविर शुरू होगा। यहां एक ही छत के नीचे नॉर्थ ईस्ट, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की प्राचीन लोक कलाओं की झलक देखने को मिलेगी। संयोजक भूपेंद्र अस्थाना ने बताया कि शिविर में यूपी की कोहबर, असम की शोला पीठ, मझूली मास्क, शोरा चित्र, सांची पट, राजस्थान की पिछवाई कला, मांडना कला, फड़ पेंटिंग, पश्चिम बंगाल की लाख डौल, शेरपाई, पट्चित्र के 11 कलाकार हिस्सा लेंगे। शिविर का उद्घाटन वरिष्ठ कलाकार प्रो. जयकृष्ण अग्रवाल करेंगे।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयूः एक जगह से सभी परीक्षा केंद्रों की निगरानी

एलयू के कुलपति ने वेबकास्टिंग एवं मानिटरिंग प्रकोष्ठ का उद्घाटन किया।

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब सभी परीक्षा केंद्रों की निगरानी एक स्थान से बैठकर की जा सकेगी। इसके लिए विवि के मुख्य परिसर में वेबकास्टिंग एवं मानिटरिंग प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। जिसका उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंगलवार को किया। उनके साथ परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, प्रतिकुलपति प्रो. अरविन्द अवस्थी, डीएसडब्ल्यू प्रो. संगीता साहू, मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर, लूटा अध्यक्ष प्रो. आरबी सिंह और महामंत्री डॉ. अनित्य गौरव उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि एलयू व संबद्ध कॉलेजों की परीक्षाओं के लिए 263 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। परीक्षाओं को शासन के निर्देशानुसार नकल विहीन और शुचितापूर्ण कराए जाने के लिए परीक्षा विभाग के द्वितीय तल पर वेबकास्टिंग एवं मानिटरिंग प्रकोष्ठ को स्थापित किया गया है। जहां से सभी परीक्षा केंद्रों की एक साथ निगरानी की जा सकेगी। जिससे नकल न होने पाए।

पहले दिन 378 छात्रों ने छोड़ी परीक्षाएं

एलयू में बीए, बीएससी, बीकॉम और बीएससी होम साइंस की परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो गई हैं। पहली बार तीन पालियों में परीक्षाओं में प्रथम पाली में 18463, दूसरी 2283 और तीसरी पाली में 4526 विद्यार्थी उपस्थिति रहे। कुल 22989 परीक्षार्थी उपस्थिति रहे। जबकि तीन पालियों में 378 छात्र-छात्राएं अनुपस्थिति रहे।

कुलपति ने निरीक्षण किया

परीक्षा के दौरान कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रॉक्टोरियल बोर्ड के साथ विश्वविद्यालय के उभय परिसर में बनाए गए परीक्षा कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षार्थियों से बातचीत की। कक्ष निरीक्षकों को बिना प्रवेश पत्र के कक्ष में न बैठने की हिदायत दी।

एलयूः एलएलबी के लिए 30 परीक्षा केंद्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सम सेमेस्टर परीक्षा-2024 के तहत एलएलबी तीन वर्षीय और इंटीग्रेटेड के लिए परीक्षा केंद्रों की सूची जारी कर दी गई है। परीक्षार्थी विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि एलयू से जुड़े पांच जिलों के 41 कॉलेजों में एलएलबी तीन वर्षीय या एलएलबी इंटीग्रेटेड कार्यक्रम संचालित है। जिसके लिए कुल 30 परीक्षा केंद्र और 11 नोडल सेंटर बनाए हैं। विधि संकाय, सीबी गुप्ता, डीएसएन महिला, डीएवी समेत अन्य हैं।

i-NEXT PAGE 5

लखनऊ यूनिवर्सिटी में यूजी के एग्जाम हुए शुरू

पहले दिन 98.8 फीसद स्टूडेंट्स ने दिया एग्जाम

JAGRAN CITY PAGE III

अंग्रेजी के पूर्व प्रोफेसर आबिदी का निधन

प्रो. आबिदी

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग के पूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष एसजेडएच आबिदी का सोमवार देर रात निधन हो गया। उनके निधन पर शिक्षकों ने शोक जताया है।

विभाग के प्रोफेसर आरपी सिंह ने बताया कि प्रो. आबिदी शिक्षक के साथ-साथ आलोचक और कवि भी थे। हाल ही में उन्होंने अपना कविता संग्रह 'मिथ, मेमोरी और सेरेनेड' प्रकाशित किया था। प्रोफेसर आबिदी 1975 में लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग में शामिल हुए और विभागाध्यक्ष के रूप में सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने सोसाइटी फार द प्रमोशन आफ इंडियन इंग्लिश लिटरेचर (एसपीआइईएल) की स्थापना की थी। प्रो. आरपी सिंह ने बताया कि जार्ज बर्नार्ड शा पर उनकी देखरेख में अपना पीएच.डी. शोध कार्य किया। प्रो. आबिदी के परिवार में उनकी पत्नी निशात अख्तर आबिदी, तीन बेटियां हैं, जिनमें रूबी आबिदी गुरुग्राम में रहती हैं। दूसरी बेटी रूबी आबिदी जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में अंग्रेजी पढ़ाती हैं। तीसरी बेटी शम्मी आबिदी छत्तीसगढ़ कैडर की वरिष्ठ आइएएस अधिकारी हैं।

कुलपति ने किया किताबों के संग्रह का लोकार्पण

लवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने वाणिज्य संकाय की प्रोफेसर मधुरिमा लाल की संग्रहित करीब 200 किताबों के संकलन का लोकार्पण किया • सौ: लवि

• वाणिज्य संकाय की प्रोफेसर मधुरिमा लाल ने संग्रहित कीं 200 किताबें

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने मंगलवार को वाणिज्य संकाय की प्रोफेसर मधुरिमा लाल की संग्रहित करीब 200 किताबों के संकलन का लोकार्पण किया। यह सभी किताबें संकाय की लाइब्रेरी में विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए उपलब्ध कराई गई हैं। इनमें कामर्स, अकाउंट, मैनेजमेंट, इकोनामिक्स, शोध, इंटरप्रिन्योरशिप के साथ-साथ प्रोफेसर मधुरिमा की लिखी 12 किताबें भी इनमें शामिल हैं।

कुलपति ने किताबों का निरीक्षण करते हुए कहा कि इस अमूल्य खजाने का भरपूर लाभ छात्र अपनी एकेडमिक उन्नति के लिए करें। उन्होंने प्रो. मधुरिमा लाल की इस अमूल्य भेंट के लिए प्रशंसा की। विभागाध्यक्ष प्रो. राम मिलन ने कहा कि पुस्तकों का जितना अधिक संकलन पुस्तकालय में होगा, उतना ही छात्र-छात्राओं का बहुमुखी और बौद्धिक विकास संभव होगा। प्रो. मधुरिमा लाल ने कहा कि ये पुस्तकें उनके जीवन की एकमात्र अमूल्य धरोहर है। इस अवसर पर डीएसडब्ल्यू प्रो. संगीता रानी, डीन सीडीसी प्रो. अवधेश कुमार सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

प्रयोगात्मक परीक्षा 22 को

जासं•लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग की ओर से बी.ए, बी.एससी छठे सेमेस्टर के विद्यार्थियों की मेजर प्रोजेक्ट वायवा परीक्षा 22 मई को सुबह 10 बजे से होगी। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मसूद एच सिद्दीकी ने इसका नोटिफिकेशन जारी किया है।

नगर की अन्य खबरें www.jagran.com पर पढ़ें

यूजी की परीक्षाएं शुरू, पहले दिन 98 .4% उपस्थिति

लखनऊ विश्वविद्यालय में परीक्षा देते छात्र-छात्राएं • सौजन्य : लवि

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से मंगलवार को स्नातक सम सेमेस्टर परीक्षाओं की शुरुआत हो गई। इन परीक्षाओं में पहली बार तीन पालियों की व्यवस्था लागू की गई है। इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन अपनी तैयारी को लेकर मुस्तैद रहा। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने भी कैंपस में परीक्षा कक्षों का निरीक्षण किया। साथ ही वेबकास्टिंग एवं मानीटरिंग प्रकोष्ठ के माध्यम से सभी केंद्रों पर परीक्षा व्यवस्था की निगरानी की। पहले दिन तीनों पालियों में 98.8 प्रतिशत छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी।

परीक्षा के लिए 263 केंद्र बनाए गए हैं। इन सभी में लगे सीसी कैमरे को वेबकास्टिंग के जरिए लवि के वेबकास्टिंग एवं मानीटरिंग प्रकोष्ठ से जोड़ा गया है ताकि हर केंद्र पर यहां से नजर रखी जा सके। परीक्षाओं की शुरुआत बी.ए (एनईपी) दूसरे, चौथे व छठे सेमेस्टर, बी.एससी दूसरे, चौथे, छठे सेमेस्टर, बी.एससी होम साइंस दूसरे और छठे सेमेस्टर के साथ हुई। पहली पाली की परीक्षा सुबह 9 से 10:30 बजे तक, दूसरी पाली सुबह 11:30 से एक बजे और तीसरी पाली दोपहर दो से 3:30 बजे तक हुई। परीक्षा एमसीक्यू पैटर्न पर थी। परीक्षार्थियों को 45 मिनट पहले कैंपस में प्रवेश दिया गया।

1.6 प्रतिशत ने छोड़ी परीक्षा : तीनों पालियों की परीक्षा के पहले दिन 22,989 उपस्थित रहे। पहली पाली में 18,463, दूसरी पाली 2,283 व तीसरी पाली में 4,526 विद्यार्थी शामिल हुए। तीनों पालियों में 378 (1.6 प्रतिशत) ने परीक्षा छोड़ दी। इस दौरान पांच जिलों में हर पाली में विभिन्न सचल दल ने निरीक्षण भी किया।

कुलपति ने किया प्रकोष्ठ का उद्घाटन : लवि एवं सहयुक्त महाविद्यालयों की परीक्षाओं के लिए बने केंद्रों पर नकलविहीन एवं शुचितापूर्ण परीक्षा कराए जाने के लिए परीक्षा विभाग के दूसरे तल पर नवनिर्मित वेबकास्टिंग एवं मानिटरिंग प्रकोष्ठ बनाया गया है। मंगलवार को इसका उद्घाटन प्रो. आलोक कुमार राय ने किया।

लवि : कुलपति ने बताया शोध ग्रंथ प्रस्तुत करने का तरीका

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अर्चना सिंह की ओर से प्रो. एसबी सिंह सभागार में कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के साथ शोधार्थियों का संवाद सत्र आयोजित किया गया। कुलपति ने साक्षात्कार के दौरान अपने शोध ग्रंथ को प्रस्तुत करने का तरीका भी शोधार्थी के साथ साझा किया।

शोधार्थियों को शोध पत्र प्रकाशन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह चर्चा अनुसंधान समस्या को समझने, एक मजबूत वैचारिक ढांचा बनाने, विषय ज्ञान में योगदान देने और विश्लेषण की गुणवत्ता बढ़ाने पर केंद्रित थी। संवाद सत्र में शोधार्थियों ने अपना व्यक्तिपरक अनुरोध एवं सुझाव भी साझा किया।

इस अवसर पर वाणिज्य संकाय की डीन प्रोफेसर रचना मुज्जू, प्रोफेसर बिमल जायसवाल, प्रो. मधुरिमा लाल, प्रोफेसर अनूप कुमार सिंह, डा. जय लक्ष्मी शर्मा सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

30 केंद्रों पर होगी एलएलबी की परीक्षाएं, सूची जारी

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि : कैमरों की निगरानी में 22989 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

● पांच जिलों के 263 परीक्षा केन्द्रों में आयोजन, 378 छात्र रहे अनुपस्थित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लविवि के मुख्य परिसर में परीक्षा देते स्नातक के छात्र। अमृत विचार

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में तीन पालियों में स्नातक की परीक्षाएं हुईं। कैमरों की निगरानी में पहले दिन की परीक्षाओं में कुल 22 हजार 989 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए। तीन पालियों में अनुपस्थित छात्रों की संख्या 378 रही। पहली पाली में एक परीक्षा केंद्र पर प्रश्न पत्र कम पड़ गए थे। हालांकि कालेज प्रशासन ने इससे इनकार किया है।

लखनऊ विवि की पहले दिन की परीक्षाओं में बीए-बीएससी के विषयों से जुड़ी परीक्षाएं आयोजित की गईं। लखनऊ विवि के अलावा लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हरदोई, रायबरेली और उन्नाव के 263 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा हुई। पहली पाली में 9023 छात्र और 9440 छात्राएं सम्मिलित हुए। वहीं दूसरी पाली में 755 छात्र और 1528 छात्र उपस्थित रहे। अंतिम पाली में उपस्थित छात्रों की संख्या 2128 और छात्राओं की 2398 रही। तीनों पालियों में कुल 22989 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि विवि और उससे संबद्ध जनपदों में आयोजित परीक्षाओं की तीनों पालियों में कोई भी छात्र अनुचित सामग्री के साथ नहीं मिला। केन्द्रों पर लगे सीसीटीवी की मदद से आयोजित परीक्षा के दौरान निगरानी रखी गई।

378 छात्र रहे अनुपस्थित: पहली पाली में सबसे अधिक 335 छात्र अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में 36 और तीसरी पाली अनुपस्थित छात्रों की संख्या 43 रही। कुल 378 छात्र अनुपस्थित रहे।

8 से बीटेक रेगुलर और बैकपेपर परीक्षा : परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि बीटेक रेगुलर व बैकपेपर आठवें सेमेस्टर की परीक्षा 8 मई से 16 मई तक आयोजित की जाएगी। वहीं छठे सेमेस्टर की परीक्षा नौ से 22 मई, चतुर्थ की 24 मई से पांच जून और द्वितीय की 30 मई से 10 जून तक होगी। इसी तरह बीफार्मा छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं आठ से 22 मई, चतुर्थ की 24 मई से 6 जून और द्वितीय की 27 मई से 6 जून तक आयोजित होगी। बीसीए रेगुलर, बैकपेपर व एग्जेम्पेटेड छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 24 से 31 मई, चतुर्थ की 27 मई से आठ जून और द्वितीय की तीन से 12 जून तक चलेंगी।

प्रश्न पत्रों को लेकर रहा असमंजस

प्रश्न पत्र वितरण को लेकर कुछ केन्द्रों पर पहली पाली के दौरान असमंजस की स्थिति देखी गई। बताते हैं कि मेजर और माइनर प्रश्न पत्रों के वितरण के समय प्रश्न पत्र कम पड़ गए, हालांकि बाद में वितरण व्यवस्था के दौरान स्थितियां सामान्य हो गईं। विवि प्रशासन का कहना है कि सभी केन्द्रों पर प्रश्नपत्रों का सामान्य तरीके से वितरण किया गया है। कहीं कोई समस्या की जानकारी नहीं मिली है।

कुलपति ने शोधार्थियों से किया संवाद

अमृत विचार : लखनऊ। विश्वविद्यालय में कुलपति और छात्रों के बीच संवाद स्थापित हुआ। इस अवसर पर शोधार्थियों की ओर से कई सुझाव भी दिये गए। संवाद कार्यक्रम का मुख्य विषय अनुसंधान समस्या को समझने, एक वैचारिक ढांचा बनाने, विषय ज्ञान में योगदान देने पर आयोजित था। वाणिज्य संकाय विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शोधार्थियों ने अपने शोधों से जुड़े विषयों को विस्तार दिया। शोध ग्रंथ को प्रस्तुत करने के तरीके बताते हुए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की ओर से सुझाव दिये गए।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

वेबकास्टिंग व मानिटरिंग सेल का उद्घाटन

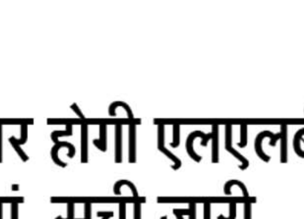

लखनऊ। शासन के निर्देशानुसार नकल विहीन एवं शुचितापूर्ण कराये जाने के लिए परीक्षा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय तल पर स्थित नवनिर्मित वेबकास्टिंग एवं मानिटरिंग प्रकोष्ठ का उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंगलवार को किया। जिसमें प्रो. अरविन्द अवस्थी, प्रतिकुलपति, संगीता साहू, प्रो. राकेश द्विवेदी, कुलानुशासक, पंकज माथुर, समन्वयक प्रवेश, लूटा अध्यक्ष आरबी सिंह 'मून', महामंत्री अनित्य गौरव एवं अन्य वरिष्ठ शिक्षकों की उपस्थिति रही। परीक्षा नियंत्रक विद्यानन्द त्रिपाठी ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

सके। लोकतंत्र के इस महापर्व में हम सभी की भागीदारी जरूरी है।
-प्रो. आलोक कुमार राय
कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

कुलपति संग शोधार्थियों का हुआ संवाद

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो.अर्चना सिंह ने कुलपति के साथ शोधार्थियों का एक संवाद सत्र का आयोजन प्रो.एस.बी.सिंह सभागार में किया गया। संवाद सत्र का प्रारंभ कुलपति के स्वागत से हुई। प्रो.मधुरिमा लाल, निदेशिका सांस्कृतिकी ने पुष्प गुच्छ देकर कुलपति का स्वागत किया। इसके बाद प्रो.अनूप के.सिंह और प्रो.बिमल जयसवाल ने स्मृति चिन्ह भेंट किए। सत्र में प्रो.संगीता साहू (अधिष्ठाता, छात्र कल्याण), प्रो.रचना मुज्जू (अधिष्ठाता, वाणिज्य संकाय) विभाग के शिक्षक डॉ.रंजीत सिंह, डॉ.जय लक्ष्मी शर्मा, डॉ.आस्था पाठक और डॉ.करुणा शंकर कनौजिया एवं डॉ.दीपक वर्मा भी उपस्थित थे। यह चर्चा अनुसंधान समस्या को समझने, एक मजबूत वैचारिक ढांचा बनाने, विषय ज्ञान में योगदान देने और विश्लेषण की गुणवत्ता बढ़ाने पर केंद्रित थी। शोधार्थियों को शोध पत्र प्रकाशन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कुलपति ने साक्षात्कार के दौरान अपने शोध ग्रंथ को प्रस्तुत करने का तरीक़ा भी शोधार्थी के साथ साझा किया। संवाद सत्र में कुलपति एवं शोधार्थियों के बीच अच्छा संवाद हुआ। जिसके दौरान शोधार्थियों ने अच्छा शैक्षणिक माहौल देने के लिए कुलपति को धन्यवाद दिया। साथ ही अपना व्यक्तिपरक अनुरोध एवं सुझाव भी साझा किया। सत्र का समापन प्रो.रचना मुजू ने कुलपति, प्रो.संगीता साहू को उनकी उपस्थिति के लिए और प्रो.अर्चना सिंह को इतना अद्भुत सत्र आयोजित करने के लिए धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

कुलपति ने अनुदानित पुस्तकों का किया लोकार्पण : वाणिज्य संकाय की प्रो.मधुरिमा लाल की संग्रहित पुस्तकों का अमूल्य संकलन का लोकार्पण वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष प्रो.राम मिलन की अध्यक्षता में कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय द्वारा फ़ीता काटकर छात्रों के लिए किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने किताबों का निरीक्षण करते हुए इस अमूल्य खजाने का भरपूर लाभ छात्र अपने अकादमिक उन्नति के लाभार्जन करने का संदेश देते हुए प्रो.मधुरिमा लाल की इस अमूल्य भेंट के लिए प्रशंसा की। प्रो.राम मिलन ने कहा कि पुस्तकों का जितना अधिक संकलन पुस्तकालय में होगा उतना ही छात्रों का बहुमुखी विकास और बौद्धिक विकास संभव होगा। वाणिज्य विभाग का पुस्तकालय जो विश्वविद्यालय में एक अति उत्कृष्ट लाइब्रेरी के रूप में देखा जाता है इस संग्रह से और भी समृद्धि हो गया है। इसके लिए हम डॉ.लाल के आभारी है।

एलयू में नवनिर्मित वेबकास्टिंग कक्ष का उद्घाटन

स्वतंत्र भारत संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों की परीक्षाओं के लिए निर्धारित 263 परीक्षा केन्द्रों पर संचालित परीक्षाओं को शासन के निर्देशानुसार नकल विहीन एवं शुचितापूर्ण कराये जाने के लिए परीक्षा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय तल पर स्थित नवनिर्मित वेबकास्टिंग एवं मानिटरिंग प्रकोष्ठ का उद्घाटन लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने मंगलवार को सुबह 9 बजे किया गया। इस दौरान प्रो.अरविन्द अवस्थी प्रतिकुलपति, प्रो.संगीता साहू, अधिष्ठाता, प्रो.राकेश द्विवेदी, कुलानुशासक, प्रो.पंकज माथुर, समन्वयक प्रवेश, प्रो.आर.बी.सिंह, अध्यक्ष लूटा, प्रो.अनित्य गौरव, महामंत्री लूटा एवं अन्य वरिष्ठ शिक्षकों की उपस्थिति रही। विद्यानन्द त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया गया।

LOKSATYA PAGE 2

अनुदानित किताबों से समृद्ध हुआ एलयू पुस्तकालय

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने अनुदानित किताबों का कुलपति ने किया विमोचन किया। पुस्तकें वाणिज्य संकाय की प्रो मधुरिमा लाल की संग्रहित किताबों का अमूल्य संकलित की गईं। विभाग के अध्यक्ष प्रो राम मिलन बतौर अध्यक्ष मौजूद रहे। कुलपति प्रो अलोक ने किताबों का निरीक्षण करते हुए इस अमूल्य खजाने का छात्र भरपूर लाभ छात्र अपने एकेडमिक उन्नति के लाभार्जन के करने की बात कही। प्रो मधुरिमा लाल को इस अमूल्य भेंट की प्रशंसा की। प्रो राम मिलन ने कहा कि पुस्तकों का जितना अधिक संकलन पुस्तकालय में होगा। उतना ही छात्रो के बहुमुखी विकास और बौद्धिक विकास संभव होगा। पुस्तकालय में एक अति उत्कृष्ट पुस्तकालय के रूप में देखा जाता है। प्रो लाल ने कहा कि ये पुस्तकें उनके जीवन की एक मात्र अमूल्य धरोहर हैं। अभी लगभग एक लाख मूल्य की दो सौ किताबें दान की गईं।

सेमेस्टर परीक्षाओं की शुरूआत हुई

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब सभी परीक्षा केंद्रों की निगरानी एक स्थान से बैठकर की जा सकेगी। इसके लिए विवि के मुख्य परिसर में वेबकास्टिंग एवं मानिटरिंग प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। जिसका उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंगलवार को किया।

पहले दिन 378 विद्यार्थियों ने छोड़ी परीक्षाएं

एलयू में बीए, बीएससी, बीकॉम और बीएससी होम साइंस की परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो गई हैं। पहली बार तीन पालियों में आयोजित हो रही परीक्षाओं में प्रथम पाली में 18463, दूसरी 2283 और तीसरी पाली में 4526 विद्यार्थी उपस्थित रहे। कुल 22989 परीक्षार्थी उपस्थित रहे।

कुलपति ने किया निरीक्षण

परीक्षा के दौरान कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रॉक्टोरियल बोर्ड के साथ विश्वविद्यालय के उभय परिसर में बनाए गए परीक्षा कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षार्थियों से बातचीत की। कक्ष निरीक्षकों को बिना प्रवेश पत्र के परीक्षा कक्ष में न बैठने की हिदायत दी।

माइनर प्रोजेक्ट का वायवा 22 को

एलयू के सांख्यिकी विभाग में बीए या बीएससी छठे सेमेस्टर विद्यार्थियों के माइनर प्रोजेक्ट की मौखिक परीक्षाएं 22 मई को आयोजित की जाएंगी। सभी छात्र-छात्राओं को सुबह 10 बजे पहुंचना होगा। इस संबंध में विभागाध्यक्ष प्रो. मसूद एच. सिद्दीकी ने आदेश जारी कर दिया है।

एलयू में परीक्षा केंद्रों की हो सकेगी निगरानी

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब सभी परीक्षा केंद्रों की निगरानी एक स्थान से बैठकर की जा सकेगी। इसके लिए विवि के मुख्य परिसर में वेबकास्टिंग एवं मानिटरिंग प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। जिसका उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंगलवार को किया। उनके साथ परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, प्रतिकुलपति प्रो. अरविन्द अवस्थी, डीएसडब्ल्यू प्रो. संगीता साहू, मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर, लूटा अध्यक्ष प्रो. आरबी सिंह और महामंत्री डॉ. अनित्य गौरव मौजूद रहे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि एलयू व संबद्ध कॉलेजों की परीक्षाओं के लिए 263 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। परीक्षाओं को शासन के निर्देशानुसार नकल विहीन व शुचितापूर्ण कराए जाने के लिए परीक्षा विभाग के द्वितीय तल पर वेबकास्टिंग एवं मानिटरिंग प्रकोष्ठ को स्थापित किया गया है।

TOI PAGE 4

LU prof, litterateur SZH Abidi passes away, tributes pour in

Times News Network

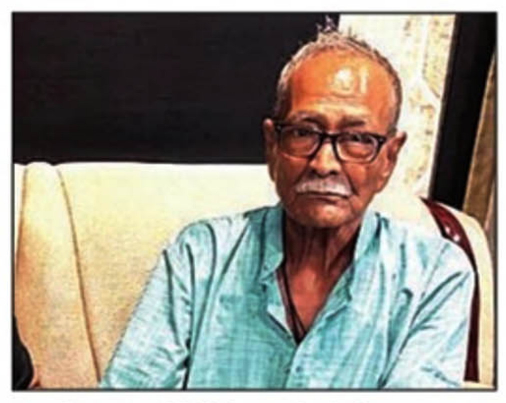

Prof SZH Abidi founded the Society for the Promotion of Indian English Literature

Lucknow: Former professor and head of the department of English and Modern European Languages (MIL) at Lucknow University, Prof SZH Abidi, passed away after prolonged illness, in Raipur, on Monday night.

He was 75 and is survived by his wife Nishat Akhtar Abidi, and three daughters – Ruby, Shuby, and Shammi.

A noted scholar, Prof Abidi founded the Society for the Promotion of Indian English Literature (SPIEL). During his 40 years of service at LU, he supervised 39 PhDs.

He joined the university on Aug 12, 1971, and retired in 2012 as professor and head of the department of English and MEL. He also authored five books on Indian English literature. His recent book was a collection of poetry, 'Myth, Memory and Serenade'. Rich tributes poured in from the academic fraternity on his demise. "A well-read man, Prof Abidi established classroom teaching as the basis of strength in producing potential scholars. I am fortunate to have seen academic stalwarts like him as encouraging and inspiring icon to students who come in search of self and worthy spaces in society. He established serious research culture among postgraduate and PhD students," said Prof RP Singh from the department of English and MEL, LU.

Kaptan Singh Nanda, assistant professor at the Indian Military Academy, Dehradun, took to social media to express his condolences. "I feel extremely saddened on the demise of litterateur Prof SZH Abidi sir. His impact went far beyond teaching; he imparted invaluable wisdom, especially in the art of teaching literature. Your absence will be deeply felt. Your legacy will forever be cherished, sir," Nanda wrote on his Facebook page. Another student of Prof Abidi, Alka Singh, who is now a faculty at Ram Manohar Lohiya National Law University, said, "Prof Abidi would keep resonating minds of literary scholars. Sir, thousands would keep innovating and reading whenever they would look up to your classic classes. You established classroom teaching as foundational principle of shaping ideas in the realm of understanding beauty of literature. You will keep speaking through your legacy."

His research scholar Ram Bhawana Yadava wrote on Facebook, "A professor who can never retire. His passion for literature was contagious, inspiring generations of scholars to delve deeper into the realms of languages, culture, and storytelling. Beyond his academic achievements, Prof Abidi will be remembered for his generosity, and unwavering commitment to fostering intellectual curiosity. His loss leaves a void in the academic community that will be deeply felt."

HT PAGE 4

LU students who graduated to active politics

Atul Anjaan | Bajrangi Singh Bajju | Brajesh Pathak | Pushkar Singh Dhami | Gopal Rai | Pawan Pandey | Rajpal Kashyap | RS Rana

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW : From two Uttarakhand chief ministers to an Uttar Pradesh deputy chief minister, scores of leaders who have made it big in active politics emerged from student politics as they graduated from century-old University of Lucknow (LU) that served as a nursery of student politics.

Even two Mafiosi-turned-politicians also graduated from LU's student politics. But for nearly 20 years, there have been no student union polls as the matter is in court.

"Student union elections should be held on campuses but due to litigation, there have been no elections for nearly two decades now," said deputy chief minister Brajesh Pathak, a former LUSU president.

Pathak first served as law minister in Yogi 1.0 and he later became one of two deputy chief ministers of Uttar Pradesh in Yogi 2.0. Pathak joined the BJP in 2017 after quitting the Bahujan Samaj Party (BSP). Following the 2017 polls in which the BJP came to power in U.P., he became an MLA from Lucknow central seat.

Known as a prominent Brahmin leader, Pathak is the party's star campaigner in the ongoing general election. Pushkar Singh Dhami, the youngest chief minister of Uttarakhand, pursued his BA (1993-96), a diploma in public administration (1996-97), masters in human resource management (1997-1999) and LLB (2002) from Lucknow University.

He took part in a number of political conventions of Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP) in the university and was also the president of LU's ABVP unit. His predecessor Harish Rawat was also a product of LU's student politics. He did his BA and LLB from the university in 1970s.

Elections 2024

Samajwadi Party Lok Sabha candidate from Lucknow Ravidas Mehrotra was an active student leader of LU. He was elected LUSU general secretary in 1978. Atul Kumar Anjaan, national secretary, Communist Party of India and general secretary, All India Kisan Sabha, also graduated from LU student politics.

Anjaan won the post of president of Lucknow University Students' Union in 1978. A gifted orator in half-a-dozen languages, Anjaan was one of the main leaders of the police-PAC revolt of U.P. He even spent four years and nine months in jail during his political journey.

Rakesh Singh Rana was LUSU general secretary in 1988 and was elected LUSU president in 1992-93. He is a former SP MLA. Another former (in 1998) LUSU president Santosh Singh is a BJP MLC.

Likewise, former LUSU vice president Arvind Kumar Singh was its elected president in 1995-96. He is an SP MLC and a former Rajya Sabha MP.

Arvind Kumar Singh 'Gope', who was elected LUSU president in 1993-94, was a minister in SP rule. Similarly, Gopal Rai, a minister in Delhi government, also graduated from LU student politics in mid 1990s.

Moreover, mafia don Dhananjay Singh is a former student leader who was elected MLA twice from Rari constituency, now known as Malhani in Jaunpur, as an independent. He also won the 2009 Lok Sabha polls from Jaunpur on a BSP ticket.

SP MLA from Goshainganj, Abhay Singh, is a former LU student leader. Once friends, now Dhananjay and Abhay are arch rivals. They were into student politics 1994 onwards but never contested student union polls. State transport minister Daya Shankar Singh has been an LUSU general secretary and president in the past.

Shailesh Singh Shailu, former LUSU president (in 2002-03), had contested assembly election on a BSP ticket from Lucknow. He recently contested by-election from Gainsari seat on a BJP ticket. Ashish Singh Ashu, a former student leader, was twice elected MLA from Bilgram-Mallanwan seat in Hardoi.

Former SP MLC Anand Bhadauria also graduated from LU student politics. Pawan Pandey (Tej Narain Pandey) was elected LUSU vice president in 2004 and was a minister of state during the SP rule in 2012.

Bajrangi Singh Bajju was elected LUSU president when the poll was last held in 2005-06. He is now a secretary of Bharatiya Janata Party's Gorakhpur Kshetra. Former LUSU general secretary Ram Singh Rana (2004) and former LUSU president Rajpal Kashyap (2004) were given minister rank as they were appointed chairman of commissions.

Pooja Shukla, former LU student leader, had contested the 2022 assembly election as an SP candidate from the Lucknow (north) seat. And last but not the least, state minority welfare minister Danish Ansari was into LU student politics and worked as an ABVP worker there.